OPTIMUM
INTERNATIONAL SCHOOL

CLASS –VIII

Hindi. **Date:-23/04/2020**

- **पाठ-1 के आधार पर दिए गए प्रश्नों के उत्तर यथासंभव अपने शब्दों देने का प्रयत्न करें।**

  प्रश्न संख्या-6 तथा *भाषा- ज्ञान* के सभी प्रश्नों का उत्तर दें।

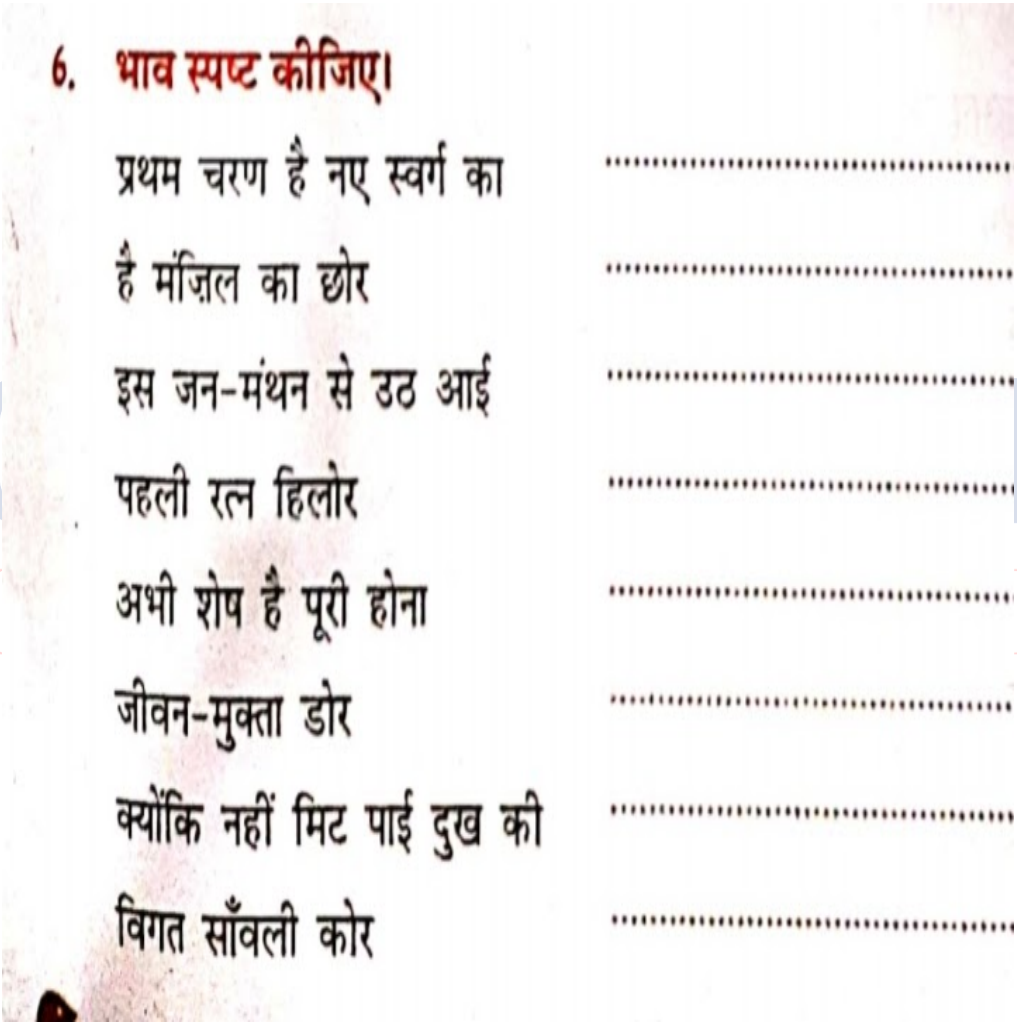

6. भाव स्पष्ट कीजिए।

प्रथम चरण है नए स्वर्ग का .....

है मंज़िल का छोर .....

इस जन-मंथन से उठ आई .....

पहली रत्न हिलोर .....

अभी शेष है पूरी होना .....

जीवन-मुक्ता डोर .....

क्योंकि नहीं मिट पाई दुख की .....

विगत साँवली कोर .....

20:39 4G Vo LTE
CamScanner 0...

समस्त पदों का विग्रह यानी तोड़ना समास-विग्रह कहलाता है; जैसे–

समस्तपद	समास-विग्रह
सुध-बुध	सुध और बुध
ज्ञान-शक्ति	ज्ञान की शक्ति / ज्ञान और शक्ति

समस्त पदों के विग्रह के आधार पर समास का भेद सुनिश्चित होता है; जैसे–ज्ञान-शक्ति; ज्ञान की शक्ति। इसका विग्रह करने पर यहाँ तत्पुरुष समास होगा। दो पदों के मेल से बनाए गए पद को समास कहते हैं।

समास के भेद

अव्ययीभाव
अव्यय शब्दों की आवृत्ति, पुनरुक्ति तथा निरर्थक प्रयोग।
उदाहरण–यथाशक्ति, रातोंरात, धीरे-धीरे, चाय-वाय आदि।

कर्मधारय
विशेषण-विशेष्य या उपमान उपमेय होता है।
उदाहरण–नीलांबर, महात्मा, विद्याधन, क्रोधाग्नि, मृगनयन

द्वंद्व
दोनों पद प्रधान, प्रायः संयोजक चिह्न (–) लगा रहता है।
उदाहरण–आचार-विचार, तन-मन, हार-जीत, देश-विदेश।

तत्पुरुष
विग्रह करने पर परसर्ग का प्रयोग।
उदाहरण–धनहीन, अमृतधारा, राहखर्च, आत्मविश्वास

द्विगु
पूर्वपद संख्यावाची विशेषण, उत्तरपद विशेष्य,
उदाहरण–त्रिवेणी, चतुर्भुज, नवग्रह, त्रिलोक।

बहुव्रीहि
दोनों पद गौण, तीसरे पद का अहसास, नए अर्थ का आभास।
उदाहरण–दशानन, लंबोदर, चक्रधर, सुलोचना।

1. नीचे दिए गए प्रश्नों के सही विकल्प पर (✓) का चिह्न लगाइए–

(क) घर-घर में समास है–
कर्मधारय ☐ बहुव्रीहि ☐ तत्पुरुष ☐ अव्ययीभाव ☐

(ख) 'लौहपुरुष' में समास है–
कर्मधारय ☐ बहुव्रीहि ☐ तत्पुरुष ☐ अव्ययीभाव ☐

(ग) 'शरणागत' में समास है–
बहुव्रीहि ☐ द्विगु ☐ द्वंद्व ☐ तत्पुरुष ☐

Scanned with CamScanner

2. नीचे दिए गए शब्दों का अपने वाक्यों में प्रयोग कीजिए–

(क) सावधान – .....
(ख) अचल – .....
(ग) मंथन – .....
(घ) रत्न – .....
(ङ) मशाल – .....
(च) शोषण – .....

3. दिए गए अनेकार्थक शब्दों के दो-दो अर्थ लिखिए।

(क) प्रथम – ....
(ख) चरण – ....
(ग) स्वर्ग – ....
(घ) जन – ....
(ङ) युग – ....
(च) शेष – ....

- **22/04/2020 को दिए गए प्रश्नों के उत्तर का मिलान यहां से करें।**

4. (क) आज समाज की स्थिति मृतक के समान है, क्योंकि पूरे समाज का शोषण किया जा रहा है। शोषण से हमारा समाज और देश कमज़ोर हो गया है।

(ख) प्रस्तुत कविता में कवि हमें देश की रक्षा के प्रति सजग रहने के लिए प्रेरित कर रहे हैं। कवि के अनुसार स्वतंत्रता प्राप्त करने से ही हमारी ज़िम्मेदारी समाप्त नहीं होती, बल्कि और बढ़ जाती है। देश के रक्षकों को देश के नव-निर्माण तथा सुरक्षा के प्रति सजग रहने की आवश्यकता है।

(ग) विषम शृंखलाओं से कवि का अभिप्राय विभिन्न जाति और धर्म के लोगों से है। विभिन्न जाति और धर्म के लोगों में प्राय: एकता का अभाव पाया जाता है।

5. (क) (i) समाज शोषण के कारण मृत है।

(ii) यहाँ 'घर' शब्द 'देश' का पर्याय है।

(iii) यहाँ 'कमज़ोर' का तात्पर्य 'शोषित वर्ग' से है।

(ख) (i) स्वतंत्रता पाने के बाद हमारी मशाल ऊँची हुई।

(ii) कवि के अनुसार गुप्त तथा आंतरिक शत्रुओं से लड़ने का काम कठिन डगर है।

(iii) यहाँ 'शत्रु की छाया' का अभिप्राय यह है कि शत्रु चले गए, लेकिन उसके आने का खतरा बना हुआ है।

INTERNATIONAL SCHOOL

**Link of Optimum Online E-Learning Platform:- www.optimumschool.net/online
In case of any query call at +91-9818033213